

Home Science
(Practice paper 1)
अंक योजना 1(Marking Scheme)

क्रमांक	खंड - A वस्तुनिष्ठ प्रश्न (Objectives Type Questions)	अंक
1.	(b) दो Two	1
2.	(a) अधिक प्रोटीन युक्त आहार की। High Protein Diet	1
3.	(c) पाश्चरीकरण Pasteurization	1
4.	(c) 10+2	1
5.	(d) सभी All of these	1
6.	(d) सेल्फ एंप्लॉयड वुमेन्स एसोसिएशन Self employed women's Association	1
7.	एगमार्क, हॉलमार्क, वूलमार्क, आई.एस.आई इत्यादि। Agmark, Hallmark, Woolmark, I.S.I etc.	1
8.	मिड डे मील योजना Mid day meal plan	1
9.	छिपी भूख के नाम से जाना जाता है। Hidden hunger	1
10.	1986 में। In 1986	1
11.	2017 में। In 2017	1
12.	नमक, चीनी, तेल व सिरका इत्यादि। Salt, Sugar, Oil and Vinegar etc.	1
13.	(b) अभिकथन (A) एवं कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं है। (b) Assertion (A) and reason (R) both are correct and the reason(R) is not the correct explanation of the assertion (A).	1
14.	(a) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही है और कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है Assertion (A) and reason(R) both are correct and the reason(R) is the correct explanation of the assertion(A).	1
15.	(a) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही है और कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है Assertion (A) and reason(R) both are correct and the reason(R), is the correct explanation of the assertion(A).	1

	खंड ख (Section B) Very Short answer questions	
16.	<ol style="list-style-type: none"> 1. कृषि 2. हस्तशिल्प 3. भारतीय व्यंजन 4. दृश्य कला <ol style="list-style-type: none"> 1. Agriculture 2. Handicrafts 3. Indian cuisines 4. Visual Arts 	1+1
17.	<p>खाद्य संक्रमण खाद्य पदार्थों के साथ रोगाणु के शरीर में प्रवेश करने से उत्पन्न होता है। रोगाणु शरीर में पहुंचकर तेजी से संख्या में वृद्धि करते हैं जिसके कारण रोग उत्पन्न होते हैं। उदाहरण के लिए साल्मोनेला, यह मुख्य रूप से जंतुओं की आंत में पाया जाता है। इसके अतिरिक्त यह कच्चे दूध और अंडे में भी पाया जाता है।</p> <p>Foodborne infection occurs when germs enter the body with food items. Germs reach the body and rapidly increase in number due to which diseases arise. Salmonella, for example, is found primarily in the intestines of animals. Apart from this, it is also found in raw milk and eggs.</p>	1+1
18.	<p>माता- पिता की अनुपस्थिति में बच्चों की मूल जरूरतों को पूरा करने के लिए उसकी देखभाल करना वैकल्पिक देखरेख कहलाता है वैकल्पिक देख-रेख दो प्रकार की होती है।</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. अनौपचारिक देख-रेख 2. संस्थागत केंद्र <p>Taking care of children to fulfill their basic needs in the absence of parents is called alternative care. There are two types of alternative care.</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. Informal care 2. Institutional center 	2
19.	<p>प्रोटीन और ऊर्जा वाले पदार्थों को कम मात्रा में ग्रहण करने से प्रोटीन- ऊर्जा कुपोषण हो जाता है। बच्चों को प्रोटीन ऊर्जा कुपोषण से ग्रसित होने का खतरा अधिक होता है। बच्चों में प्रोटीन ऊर्जा कुपोषण से दो मुख्य रोग होते हैं -</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. क्वाशियोरकर 2. मरास्मस अथवा सूखा रोग। <p>Intake of protein and energy rich substances in small quantities leads to Protein-Energy Malnutrition. Children are at higher risk of suffering from P.E.M. Protein energy malnutrition in children causes two main diseases -</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. Kwashiorkor 	1+ 1

	as a swimming pool, courts of various types of sports and big grounds.	
	खंड - ग (Section C) लघु उत्तरात्मक प्रश्न Short answer type questions	
22.	<ul style="list-style-type: none"> ● न्यूमैन एवं समर के अनुसार:- “संचार दो या दो से अधिक व्यक्तियों के बीच तथ्यों, विचारों तथा भावनाओं का पारस्परिक आदान-प्रदान है”। संचार के विभिन्न साधन हैं - जैसे कि रेडियो, टेलीविजन, अभियान, समुदाय रेडियो, प्रिंट मीडिया, सूचना संचार प्रौद्योगिकी इत्यादि <p>According to Newman and Summer:- “Communication is the mutual exchange of facts, ideas and feelings between two or more people”. There are various means of communication – such as Radio, Television, Campaigns, Community Radio, Print media, Information Communication Technology etc.</p>	1+2
23.	<p>एगमार्क खेती के उत्पाद कानून (1937), जिसे 1986 में संशोधित किया गया है, के अंतर्गत कार्य करता है। यह स्कीम भारत सरकार के कृषि मंत्रालय के अधीन है। यह मार्क विभिन्न प्रकार के संशोधित और अर्ध-कृषि उत्पादों जैसे मसाले, आटा, चावल, बेसन, घी, मक्खन, जीरा, शहद, मूंगफली, नमक व तेल इत्यादि पर दिया जाता है।</p> <p>Agmark operates under the Agricultural Produce Products Act (1937), as amended in 1986. This scheme is under the Ministry of Agriculture, Government of India. This mark is given on various types of modified and semi-agricultural products like spices, flour, rice, gram flour, ghee, butter, cumin, honey, groundnut, salt and oil etc.</p>	1+2
24.	<p>मुख्य रूप से आहार दो प्रकार के होते हैं -</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. नियमित आहार 2. संशोधित आहार <p>नियमित आहार- : वह आहार होता है जो सभी प्रकार के भोजनों को सम्मिलित करता है और स्वस्थ व्यक्तियों की आवश्यकताओं की पूर्ति करता है, नियमित आहार कहलाता है।</p> <p>संशोधित आहार - : ऐसा आहार जो रोगी की चिकित्सीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विशेष रूप से समायोजित किया जाता है, संशोधित आहार कहलाता है।</p> <p>There are mainly two types of diets –</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. Regular diet 2. Modified diet <p>Regular diet: The diet which includes all types of food and fulfills the needs of healthy people is called a Regular diet.</p> <p>Modified Diet -: A diet which is specially adjusted to meet the medical needs of the patient is called modified diet.</p>	1½+1½

सुरक्षित रखा जा सकता है। उदाहरण के लिए फलों और सब्जियों को सुखाकर अधिक समय तक सुरक्षित रखना।

3. आहार में विभिन्नता (variety in food) -आहार को रुचिकर बनाने के लिए उसमें विभिन्नता लाना आवश्यक है। संरक्षण की विभिन्न विधियों का प्रयोग करके आहार में आसानी से विभिन्नता लाई जा सकती है। उदाहरण के लिए आहार में जैम, जैली, मुरब्बा, चटनी, अचार आदि सम्मिलित करके विभिन्नता लाई जा सकती है।
4. खाद्य पदार्थों के स्थानांतरण में सुविधा (Convenience for transportation of food) - पदार्थों को संरक्षित करके एक स्थान से दूसरे स्थान पर आसानी से ले जाया जा सकता है। उदाहरण लिए टमाटरों को टमाटर की प्यूरी, सॉस, चटनी आदि के रूप में संरक्षित करके एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाना।
5. खाद्य पदार्थों को संग्रह करने में आसानी (Easy for storing the food)- संरक्षित खाद्य पदार्थों को संग्रह करना आसान होता है क्योंकि इनके शीघ्र खराब होने की शंका नहीं होती है। उदाहरण के लिए सूखी हुई हरी पत्तेदार सब्जियां।
6. धन की बचत (Saving money)-मौसमी खाद्य पदार्थ, जैसे फल, सब्जियां आदि उत्पादन के समय अधिक मात्रा में और सस्ते होते हैं। इस समय फल और सब्जियों को संरक्षित करके धन की बचत की जा सकती है।

It has become very important to preserve food in various forms, because these can be preserved and made available throughout the year. Following are the benefits of Food Conservation-:

1. To prevent food from destroying – Seasonal foods like fruits and vegetables are available in large quantities at the time of production. If they are preserved at this time, they can be saved from destruction. For example, potatoes are available in large quantities at the time of production. Due to lack of proper methods of preservation, lakhs of tonnes of potatoes rot and get destroyed every year.
2. Long term protection of food – Food can be preserved for a longer period of time by preserving it. For example, keeping fruits and vegetables safe for a longer period by drying them.
3. Difference in food - To make the diet interesting, it is necessary to bring variety in it. The diet can be easily varied by using different methods of preservation. For example, variety can be brought in the diet by including jam, jelly, jam, chutney, pickle etc.
4. Convenience for transportation of food – Food can be preserved and easily transported from one place to another. For example, preserving tomatoes in the form of tomato puree, sauce, chutney etc. and transporting them from one place to another.

	<p>5. Easy for storing the food – Preserved foods are easy to store because there is no possibility of them getting spoiled quickly. For example, dried green leafy vegetables.</p> <p>6. Saving money-Seasonal foods, like fruits, vegetables etc. are more abundant and cheaper at the time of production. Money can be saved by preserving fruits and vegetables at this time.</p> <p style="text-align: center;">OR</p> <p>उपभोक्ता की समस्याएं</p> <ul style="list-style-type: none"> ● कम स्तर की खराब गुणवत्ता वाली वस्तुएं ● मिलावट ● अस्थिर कीमतें ● निर्माता/ विक्रेता द्वारा अपूर्ण या त्रुटि पूर्ण जानकारी देना ● भ्रामक विज्ञापन ● भ्रामक पैकेजिंग ● उपभोक्ता को लुभाने के लिए बिक्री संवर्धन योजनाएं। <p style="text-align: center;">OR</p> <p>Consumer Problems:-</p> <ul style="list-style-type: none"> ● Low quality goods ● Adulteration ● Volatile prices ● Providing incomplete or inaccurate information by the Manufacturer/seller ● Misleading advertising ● Misleading packaging ● Sales promotion plans to attract consumers 	1×5
29.	<p>वृद्धावस्था को निम्न कारणों से संवेदनशील समूह की श्रेणी में रखा जाता है-</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी आने के कारण वृद्धजन रोगों के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाते हैं। 2. आयु बढ़ने के कारण विभिन्न प्रकार की बीमारियों के अतिरिक्त कई प्रकार की अक्षमताएं भी होने लगती हैं। जैसे कि- गठिया के कारण चलने फिरने में परेशानी, मोतियाबिंद के कारण अंधापन इत्यादि। 3. कई बुजुर्ग अकेलेपन और दूसरों पर बोझ बन जाने की भावना का भी अनुभव करते हैं। 4. वृद्धजन आर्थिक रूप से अपने बच्चों पर निर्भर रहते हैं जिसकी वजह से वह कई बार तनाव महसूस कर सकते हैं। 5. छोटे परिवारों के बढ़ते चलन, बुजुर्गों की देखभाल के लिए समय की कमी तथा अक्सर लोग घर के बुजुर्गों के साथ समय व्यतीत नहीं कर पाते इस कारण से भी जरूर तनाव ग्रस्त रहने लगते हैं। <p>Old age is kept in the category of sensitive group due to the following reasons-</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. Due to decrease in immunity, elderly people become more sensitive to diseases. 2. Due to increasing age, apart from various types of diseases, many types of disabilities also start occurring. Such as difficulty in walking due to arthritis, blindness due to cataract etc. 3. Many elders also experience loneliness and the feeling of 	1 x5

becoming a burden on others.

4. Elderly people remain financially dependent on their children due to which they may feel stressed at times.
5. Due to the increasing trend of small families, lack of time to take care of the elders and often people are not able to spend time with the elders of the house, due to this they definitely start suffering from stress.

OR

किसी इच्छित वस्तु को बनाने के लिए योजना अनुसार व्यवस्था करने को डिजाइन कहते हैं।

डिजाइन के पांच तत्व हैं:-

- अनुपात
- संतुलन
- महत्व
- आवर्तिता अथवा लय
- सामंजस्यता

Making arrangements according to a plan to make a desired object is called design.

There are five elements of design:

- Ratio
- Balance
- Emphasis
- Rhythm
- Harmony

1×5

आयोडीन की कमी से होने वाली हानियाँ -:

- आयोडीन की कमी से गोइटर अर्थात घेंघा रोग हो जाता है जिससे थायराइड ग्रंथि सूज जाती है।
- बच्चों की वृद्धि व शारीरिक विकास रुक जाता है। होंठ मोटे हो जाते हैं। जीभ बड़ी हो जाती है।
- व्यस्क व्यक्ति में इसकी कमी से हाथ पांव में सूजन आ जाती है, मिक्सोडिमा रोग हो जाता है, व रोगी सुस्त हो जाता है।

Micronutrient Deficiencies – If the amount of energy and protein in the diet is low, there is every possibility that the amount of other nutrients, especially micronutrients such as minerals and vitamins, will be low. Some of the major public health problems related to micronutrient deficiency are as follows-

1. **Iron Deficiency Anemia (IDA):** It is the most common nutritional disorder in the world and is prevalent in both developed and developing countries. If there is a deficiency of iron in the blood, hemoglobin cannot be produced, resulting in anemia. According to the World Health Organization (W.H.O.), the level of hemoglobin in the blood of women and children is 12 mg per 100 ml. Should be. If there is a significant decrease in this level, symptoms of anemia start appearing. **The main reasons** for the occurrence of this disease are-
 - Due to blood loss during delivery.
 - Due to excessive bleeding in accident or excessive blood donation.
 - Due to stomach worms (hookworms) or diarrhea.

Symptoms of Anaemia:

Physical fatigue, shortness of breath after doing some work, headache, dizziness, weak eyesight and laxity of the patient. Apart from this, complaints of sleeplessness, low appetite, difficulty in digesting food or heartburn.

2. IDD -:The disorder caused by iodine deficiency is called iodine deficiency disorder. Iodine is a mineral found in very small quantities in our body, but it is essential for normal physical, mental development and growth. It is extremely essential for the smooth functioning of the thyroid gland.

Disadvantages of iodine deficiency:

1. Deficiency of iodine causes goiter, which causes the thyroid gland to swell.
2. The growth and physical development of children stops. Lips become thick. Tongues become bigger.
3. Its deficiency in an adult person causes swelling in hands and feet, myxedema and the patient becomes lethargic.